मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 334, मुंबई, मंगलवार, 18 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

औरंगजेब की कब्र मामले को लेकर

नागपुर में तनाव

दो गुटों में हिंसक झडप, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

मुंबई हलचल/संवददाता

नागपुर। औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद के कारण नागपुर में दो गुटों के बीच तनाव पैदा हो गया है। महल क्षेत्र में दो गुट आमने-सामने आ गए। सुबह विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने औरंगजेब की मजार के विरोध में प्रदर्शन किया, जिसके बाद शाम को दोनों समूह आमने-सामने आ गए। गुस्साई भीड़ ने पथराव भी किया और कुछ वाहनों में तोड़फोड़ भी की। महल क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद पुलिस ने कड़ी सुरक्षा तैनात कर दी है। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नागपुरकर शांति बनाए रखेंः प्यारे खान

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महल क्षेत्र में दो समूहों के बीच विवाद के बाद शहर में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) प्यारे खान ने नागपुर के लोगों से शांति बनाए रखने और स्थिति को नियंत्रित करने में प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है।

सीएम फडणवीस ने नागपुर निवासियों से शांति की अपील की

नागपुर के महल इलाके में पथराव और तनावपूर्ण स्थिति पैदा होने के बाद पुलिस प्रशासन स्थिति को संभाल रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरिकों से इस स्थिति में प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करने की अपील की है। हम लगातार पुलिस प्रशासन के संपर्क में हैं और नागरिकों को उनका सहयोग करना चाहिए। नागपुर एक शांतिपूर्ण शहर है और एक-दूसरे के सुख-दुख को साझा करता है। यह नागपुर की स्थायी परंपरा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपील की है कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

महाराष्ट्र में बढ़े किसानों की आत्महत्या के मामले

उपसभापति नीलम गोरहे ने सरकार से की ये मांग

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। विधान परिषद के उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे नेने मांग की है कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार तुरंत ठोस उपाय लागू करे। उन्होंने यह भी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया है कि किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए कृषि क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित समाधान का सरकार को प्रयास करना चाहिए। आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को तत्काल और पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। कृषि व्यवसायों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करनी चाहिए तथा उनके बच्चों को मुफ्त शिक्षा, आवास व चिकित्सा बीमा प्रदान करना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गड़चिरोली में सागौन तस्करी का पर्दाफाश

22 लाख का माल किया जब्त, एक तस्कर को किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। गड़चिरोली जिले के आखिरी छोर पर बसी तथा आदिवासी बहुल कोरची तहसील में पिछले अनेक वर्षों से सागौन तस्करी का सिलसिला शुरू था। सागौन तस्करों ने अब तक करोड़ों रुपए के माल की तस्करी कर जंगल को साफ किया है। ऐसे में पिछले कुछ दिनों से वनविभाग की टीम सागौन की तस्करी करने वाली टोली को पकड़ने की फिराक में थी। लेकिन तस्करों की टोली निरंतर रूप से वनविभाग के आंख में धूल झोंकते थे। पिछले कुछ दिनों से कोरची तहसील के जंगल से पुष्पा स्टाईल में सागौन की तस्करी हो रही थी। इसी बीच तहसील के बेतकाठी जंगल में गश्त कर रहे वनविभाग की टीम को सागौन तस्करी होने की गोपनीय जानकारी मिली।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

फरार आरोपियों की तलाश जारी

वनपरिक्षेत्र अधिकारी लक्ष्मीकांत ठाकरे ने कहा कि बेतकाठी जंगल परिसर में रात के समय कार्रवाई कर सागौन तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में अन्य चार आरोपी फरार होने में कामयाब हो गये है, लेकिन फरार आरोपियों की खोजबीन वनविभाग द्वारा जारी है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक और जज्बाती मुद्दा

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल की टीएमसी भी कई मुद्दों पर उनके साथ है।

भाषा, परिसीमन, और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत राज्यों की स्वायत्तता के कथित हनन की शिकायत को जोड़ कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन केंद्र के खिलाफ विपक्षी लामबंदी करने में सफल होते दिख रहे हैं। मकसद बेशक अगले चुनावों के मद्देनजर सियासी गोलबंदी है, फिर भी भाषा जैसे जज्बाती प्रश्नों में छिपी शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। धर्म और जाति केंद्रित गोलबंदी की राजनीति ने देश को पहले ही भटका रखा है। अब भाषा और प्रादेशिक पहचान के मुद्दों पर बढ़ रहे तनाव से एक और गंभीर चुनौती खड़ी होती दिख रही है। स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित विपक्षी बैठक में इस लामबंदी का अगला एजेंडा जाहिर होगा। बहरहाल, यह साफ है कि केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता के केंद्रीकरण एवं अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने का जो उत्साह दिखाया है। उस पर कई सियासी हलकों में विपरीत प्रतिक्रिया उभर रही है। इसलिए यह सही वक्त है, जब इस मसले को गंभीरता से लिया जाए। भाषा और एनईपी के मुद्दों पर भरोसे का माहौल बनाने की जरूरत है। परिसीमन पेचीदा सवाल है। लोकसभा में आबादी की संचरना का प्रतिनिधित्व ना हो, तो उससे सदन का लोकतांत्रिक चरित्र प्रभावित होता है। इसीलिए संविधान में राज्यसभा की कल्पना राज्यों के सदन के रूप में की गई थी। मगर राजनीतिक दलों ने इसे जनता का सामना करने के अनिच्छुक नेताओं तथा निहित स्वार्थों के प्रतिनिधियों का सदन बना दिया। अब इस सारे घटनाक्रम पर पुनर्विचार की जरूरत है। गौरतलब है कि अमेरिका में प्रतिनिधि–सभा में राज्यों को आबादी के अनुपात में, लेकिन सीनेट में हर राज्य को बराबर– दो सीटें देकर ऐसी समस्या का हल निकाला गया है। क्या वर्तमान भारतीय राजनीतिक नेतृत्व में ऐसा अभिनव समाधान निकालने की इच्छाशक्ति है? निर्विवाद है कि देश के दीर्घकालिक हित में ऐसा करना आवश्यक हो गया है।

सहकारिता धूम-मस्ती-धमाल ग्रुप द्वारा खूब उडाया रंग-गुलाल, आयोजन से कर्मचारी उर्जा से हुए सरोबार

खरगोन। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन एवं उससे जुड़ी हुई सहकारी संस्थाओं के कर्मियों के द्वारा महेष्वर के होटल एवं रिसोर्ट पायल पेलेस में आयोजित रंगोत्सव कार्यक्रम में खुब धुम मस्ती धमाल कर रंग और गुलाल उडाया गया। कार्यक्रम नियत समय पर प्रारम्भ हुआ, जिसमें खरगोन, बडवानी एवं धार जिले के बडी संख्या में बैंक एवं संस्थाओं के कर्मचारियों के द्वारा सहभागिता की गई। शुरूआती दौर में एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाईया दी गई।

इसके बाद धीमे-धीमे ढोल तासो की थाप पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक खरगोन एवं धार के एमडी द्वय पीएस धनवाल एवं केके रायकवार तथा नवल केरियर इंस्टीट्यूट इन्दौर के डायरेक्टर नवल रघुवंषी को उनके परिवार सहित कर्मचारियो के द्वारा थिरकते हुए मंच तक लाया गया। इसके बाद डीजे की धून पर शुरू हुआ डांस का सिलसिला। जोगी जी धीरे धीरे, रंग बरसे भिगे चुनर वाली, होलिया में उडे रे गुलाल, होली खेले रघुवीरा आदि होली के गानो पर जमकर सभी लोग नाचे। महिलाओं के द्वारा बलम पिचकारी गाने पर जोरदार ग्रुप डांस की प्रस्तुती दी गई। पूजा, रंजना एवं षिवानी खरगोन बैंक कर्मचारियो के द्वारा जय जय षिव शंकर गाने पर डांस कर सबका मन मोह लिया। धार बैंक के कर्मचारी ममता शुक्ला, विकास लाड, अंकित परमार, नारायण चोयल, विरेन्द्र कानुनगो, दीपा शर्मा, दीपक शुक्ला, कमल पाटील द्वारा डांस कर खुब धमाल मचाया गया। फिल्म शोले के जय, वीरू, बसंती एवं मौसीजी के किरदार क्रमषः केके रायकवार, पीएस धनवाल, श्रीमति धनवाल एवं श्रीमति रायकवार के द्वारा वीरू एवं बसंती की शादी के प्रस्ताव का जोरदार अभिनय कर खुब हॅसाया। जैसे जैसे भीड बडने लगी वैसे वैसे रंगोत्सव परवान चडने लगा। आयोजन में संगीत, गायन, वादन वालो की टोलिया के द्वारा अपना-अपना हुनर दिखाकर खुब रंग जमाया। डीएमडी यानी धूम मस्ती धमाल जैसा नाम वैसा काम को चरितार्थ किया। होली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम से बैंक कर्मचारियों में अपार उत्साह देखने को मिला। होली के अवसर पर यह पहला मौका है जब इस तरिके का आयोजन किया गया। आयोजन में निमाड़ के स्वाद से सरोबार स्नैक्स तथा भोजन मक्के की रोटी एवं अमाडी की भाजी का सभी प्रतिभागियों द्वारा खुब आनंद लिया गया। सहकारिता क्षेत्र में इसे लंबे समय तक याद किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन पुनित तारे द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विष्णु पाटीदार, परमानंद पाटीदार, दिनेष दुबे, रामकृष्ण पाटीदार, अषोक राठौर, ललीत भावसार, विनोद पाटीदार, ओमप्रकाष रघुवंषी, सुरेष यादव, अभिषेक तोमर, धन्नालाल कुषवाह, तुकेष मनाथे द्वारा महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

रैगर समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह 20 जून को

रैगर समाज बंधुओं को सुचित करते हुए अपारहर्ष हो रहा है कि बीकानेर के गंगाशहर मे रैगर समाज का (षष्ठम) सामूहिक विवाह सम्मेलन व भामाशाह सम्मान समारोह 20 जून 2025 को रखा गया है।अतः रैगर समाज बुंधओं से निवेदन है कि फिजूल की पैसों की बर्बादी और समय के महत्व को समझते हुए गरीब परिवार के बच्चों का विवाह सम्मेलन में सादे तरीके से विवाह कर इस आयोजन का लाभ उठायें।

1.रैगर समाज के 21 जोड़ों का विवाह उक्त सम्मेलन में करने का लक्ष्य है।

2. सम्मेलन में विवाह करने हेतु लड़की की उम्र 18 वर्ष एवं लड़के की उम्र 21 वर्ष होना अनिवार्य है।

3. वर-वधु पक्ष से विवाह पंजीयन शुल्क 500 रु. अलग-अलग लिया जायेंगा।

4. वर पक्ष से विवाह शुल्क 10,000 रुपये लिया जायेगा।

5. वधु पक्ष से विवाह शुल्क 7000 रुपये लिया जायेगा।

6. पंजीकरण की अँतिम तिथि 5 जून 2025 रखी गई है।

7.रैगर समाज के भामाशाहों (पंचम) सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहयोंग करने वालों का सम्मान किया जाएगा।

8. विधवा विवाह व तलाक शुदा का विवाह भी इस सम्मेलन में करवाया जायेगा।

9. जिस किसी लड़की के माता-पिता नहीं है उससे विवाह शुल्क नहीं लिया जायेगा।

उपहारः- सम्मेलन मे जरूरत का (दहेज) सभी सामान दिया जायेगा पंजीकरण करवाने हेतु आजाद चौक, कुम्हारो का मौहल्ला, गंगाशहर बीकानेर मे सम्पर्क करे आयोजक : कैलश बाकोलिया, पुष्पा जन कल्याण फाउंडेशन (रजि.) बीकानेर (राजस्थान) 9636415895

केजरीवाल ने चुप्पी तोड़ी लेकिन अधूरी

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी तोड़ी है। दिल्ली विधानसभा का चुनाव हारने के बाद वे खामोश हो गए थे। उसके बाद वे 10 दिन के लिए विपश्यना करने चले गए थे। अब उन्होंने चुप्पी तोड़ी है तो सबसे पहले इस बात का संदेह दूर किया कि वे पंजाब का मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या भगवंत सिंह मान को मुख्यमंत्री पद से हटाया जा सकता है। मान सरकार के तीन साल पूरे होने के मौके पर रविवार, 16 मार्च को अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान दोनों एक साथ दरबार साहिब में माथा टेकने पहुंचे और वहां से रामतीर्थ भी गए। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि मान मुख्यमंत्री बने रहेंगे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि इस कार्यकाल के बचे हुए दो साल मान मुख्यमंत्री रहेंगे और उसके बाद 2027 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी और मान ही पांच साल तक के लिए मुख्यमंत्री बनेंगे।

दावते इफ्तार का आयोजन जाले विधानसभा क्षेत्र मजलिसे इत्तिहादुल मुस्लेमीन के भावी प्रत्याशी जनाब फैसल रहमानी आमिर ने किया

मधुबनी। दरभंगा जाले सिंहवाड़ा प्रखंड के भरवाड़ा स्थित जाले विधानसभा में दावते इफ्तार का आयोजन मजलिसे इत्तिहादुल मुस्लेमीन के भावी प्रत्याशी जनाब फैसल रहमानी आमिर ने किया जिसमे प्रखंड और पंचायत के रोजेदारों पंचायत प्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता वरिष्ठ नागरिको सहित प्रबुद्ध लोग शामिल हुए दावते इफ्तार में सैकड़ो रोजेदारों ने इफ्तार कर अपने तथा मुल्क की तरक्की अमन चैन और भाईचारगी की दुआएं मांगी मौके पर मजलिसे इत्तिहादुल मुस्लेमीन के राष्ट्रीय प्रवक्ता जनाब आदि हुसैन साहब शिवहर लोकसभा के पुर्व प्रत्याशी राना रंजीत जी और मधुबनी लोकसभा के पुर्व प्रत्याशी जनाब वकार सिद्दीकी साहब ने कहा कि रमजान रहमत और बरकत का महीना है यह पाक महीना सिखाता है कि हम अपने जीवन में हर समय इंसानियत एवं सच्चाई के रास्ते पर चले रमजान के इस पावन पवित्र माह में हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम बुराई का परित्याग कर अच्छाई को ग्रहण करेंगे ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेंगे जो दूसरे को बुरा लगे हम एक-दूसरे के सुख-दुःख में भागीदारी देंगे और प्रेम और मोहब्बत के संदेश को घर-घर पहुंचाकर देश और समाज में सहिष्णुता, एकता और भाईचारे की भावना को विकसित करेंगे इसी में हमारा समाज का और देश का व्यापक हित निहित है दावते इफ्तार में कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

21 साल से न्याय का इंतजार: डॉ. आशा गोयल हत्याकांड में देरी पर परिवार ने मुख्यमंत्री से की हस्तक्षेप की मांग

डीएनए सबूत और कबूलनामे के बावजूद अब तक नहीं मिला न्याय

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मशहूर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा गोयल की निर्मम हत्याकांड के अब तक अनसुलझे मामले को उजागर किया गया। मुंबई में 22 अगस्त 2003 को हुई डॉ. आशा गोयल की निर्मम हत्या को 21 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी भी न्याय मिलना बाकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनकी बेटी रश्मि गोयल ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस लंबे समय से लटके मुकदमे में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। गोयल परिवार दो दशकों से न्याय की लड़ाई लड़ रहा है, लेकिन डीएनए सबूत, फॉरेंसिक रिपोर्ट और यहां तक कि अपराधी के कबूलनामे जैसे ठोस प्रमाणों के बावजूद मामला आज भी ठंडे बस्ते में पड़ा है। इस अंतहीन देरी ने परिवार को न सिर्फ मानसिक आघात दिया है, बल्कि भारत की न्याय प्रणाली की दक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रश्मि गोयल ने कहा, हमने बहुत लंबा

इंतजार किया है और अब हमारा धैर्य जवाब दे रहा है। मेरी माँ ने अपना जीवन दूसरों को स्वस्थ करने में समर्पित किया, लेकिन उनकी निर्मम हत्या के लिए अब तक न्याय नहीं मिल सका। हम मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे इस मामले को आगे बढ़ाने में हस्तक्षेप करें। भारत ऐसा देश नहीं हो सकता जहाँ इतने मजबूत सबूतों के बावजूद अपराधी बच निकलें। डॉ. आशा गोयल का जन्म 1940 में मथुरा में हुआ था। उन्होंने मुंबई में मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद कनाडा में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वे महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञ थीं और अपने योगदान के लिए दुनियाभर में सम्मानित थीं। उनकी निर्मम हत्या ने भारत और कनाडा, दोनों देशों को झकझोर कर रख दिया था, लेकिन उनके हत्यारे आज भी कानून की पकड़ से बाहर हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात पर जोर दिया गया कि यह कानूनी देरी केवल गोयल परिवार के लिए व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि भारत की न्याय प्रणाली के लिए एक गंभीर मुद्दा भी है। गोयल परिवार ने संकल्प लिया है कि वे हर संभव प्रयास जारी रखेंगे, जब तक कि दोषियों को उनके अपराध की सजा नहीं मिल जाती।

महिला साइंटिस्ट ने दीपक द्विवेदी पर लगाए अभद्र व्यवहार और दबाव बनाने के आरोप

माइक्रोबायोलॉजी वैज्ञानिक की केमिकल सेक्शन प्रभारी ने की शिकायत, प्रशासन खामोश

मुंबई हलचल/संवाददाता

भोपाल। लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र (एम.एफ.पी. पार्क), बरखेड़ा पठानी में कार्यरत केमिकल साइंटिस्ट विजेयता श्रीवास्तव ने माइक्रोबायोलॉजी साइंटिस्ट दीपक द्विवेदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैज्ञानिक द्विवेदी उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं और केमिकल सेक्शन के कार्यों को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत पत्र के अनुसार, विजेयता श्रीवास्तव को केमिकल सेक्शन का प्रभारी बनाए जाने के बाद से ही वैज्ञानिक दीपक द्विवेदी उनके कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उनका कहना है कि द्विवेदी नहीं चाहते कि कोई अन्य कर्मचारी लैब में दखल दे, ताकि उनकी मनमानी कार्यशैली बनी रहे। विजेयता ने यह भी आरोप लगाया कि द्विवेदी अक्सर उनके साथ अभद्र भाषा में बातचीत करते हैं, ऊंची आवाज में बोलते हैं और अपने पारिवारिक रसूख का डर दिखाते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार,

केमिकल सेक्शन में सर्वाधिक कार्य होता है, जिसमें विभिन्न प्रकार के सैंपलों की टेस्टिंग शामिल है। इसके लिए उन्हें अक्सर अतिरिक्त समय तक कार्य करना पड़ता है, लेकिन वैज्ञानिक द्विवेदी जानबूझकर उनके कार्यों में बाधा डालने और मानसिक रूप से परेशान करने का प्रयास करते हैं। विजेयता ने यह भी बताया कि उनके सहयोगी स्टाफ को भी द्विवेदी द्वारा बरगलाने की कोशिश की जा रही है। प्रभारी केमिकल साइंटिस्ट ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और वैज्ञानिक दीपक द्विवेदी के अनुचित व्यवहार पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में काम करनाझ बेहद कठिन हो गया है, इसलिए जल्द से जल्द इस मामले में उचित कदम उठाया जाना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, यह पहली बार नहीं है जब संस्थान में आंतरिक विवाद की स्थिति बनी हो। इससे पहले भी कुछ कर्मचारियों द्वारा काम के वातावरण को लेकर शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। इस मामले में वैज्ञानिक दीपक द्विवेदी का पक्ष जानने के लिए उन्हें मोबाइल फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की और ना ही बाद में वापस कॉल किया। इस पूरे मामले पर प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। सूत्रों का दावा है कि यदि आरोपों की ईमानदारी से जांच होती है, तो वैज्ञानिक दीपक द्विवेदी के खिलाफ अनुशासनात्मक एवं कड़ी कार्रवाई होने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

औरंगजेब की कब्र मामले को लेकर नागपुर में तनाव

इस बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दो समूहों के बीच विवाद के बाद तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। नितिन गडकरी ने नागपुर निवासियों से शांत रहने और स्थिति से निपटने में प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है। नागपुर पूरे देश में अपनी शांति और सद्भाव के लिए प्रसिद्ध शहर है। इस शहर में जाति, पंथ या धर्म को लेकर कोई बहस या झगड़े नहीं होते। आज जो कुछ हुआ उसके संबंध में प्रशासन कार्रवाई करेगा। नितिन गडकरी ने कहा है कि नागपुर के सभी नागरिकों को प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए और शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए। राउत ने कहा कि यह हिंदुओं को डराने, उन पर अपने लोगों से हमला करवाने, उन्हें भड़काने का एक नया पैटर्न है। उन्होंने कहा कि ये जो औरंगजेब विवाद चल रहा है। यह भय और डर पैदा करने के लिए किया जा रहा है। ये महाराष्ट्र और देश को खत्म करने जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सीएम को चैलेंज देते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस में दम है तो जो दंगे करवा रहे हैं उन पर मकोका लगाएं। आपको बतां दें कि नागपुर में हुई हिंसा को लेकर पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अब तक 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी नजर रखी जा रही है जिससे किसी तरह की अफवाह न फैलने पाए।

गड़चिरोली में सागौन तस्करी का पर्दाफाश

जिससे रात के समय वनाधिकारी व कर्मचारियों ने जाल बिछाकर करीब 12 बजे छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर में सागौन की लठ्ठे भरने वाले चार तस्कर अंधेरे का लाभ उठाए हुए फरार हो गये। लेकिन एक तस्कर को गिरफ्तार करने में वनविभाग को सफलता मिली है। गिरफ्तार किए गए सागौन तस्कर का नाम तहसील के कुमकोट निवासी सुरेश रामलाल होली और उसके खिलाफ वनकानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं इस कार्रवाई में 22 लाख से अधिक रुपए का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई वन परिक्षेत्राधिकारी एलएम ठाकरे, वनरक्षक एसएम ठाकरे, वीएस कवडो, सीएस मडावी, एनआर मितलामी, एमबी कुंजाम, जेएम चुरगाये व बेतकाठी गांव के 15 से 20 ग्रामीणों ने मिलकर की। वनाधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई परिसर में सुबह के समय पंचनामा करने पर परिसर में करीब 50 पेड़ों की कटाई होने की बात उजागर हुई है। वहीं आधे से अधिक माल वहां से गायब दिखाई दिया। जिससे इस परिसर में पिछले काफी दिनों से सागौन तस्करी हो रही थी। ऐसी बात कही जा रही है। अब वनविभाग तस्करी को रोकने के लिये अलर्ट होने के साथ ही रात के समय पुष्पा स्टाईल में होने की सागौन तस्करी का पदार्फाश करने से सागौन तस्करों में खलबली मच गयी है।

महाराष्ट्र में बढ़े किसानों की आत्महत्या के मामले

उन्होंने राजस्व एवं वन विभाग के साथ-साथ कृषि एवं बागवानी विभाग के मंत्रियों को भेजे एक बयान में इस गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। डॉ. गोरहे ने कहा कि किसानों की आत्महत्या में वृद्धि के पीछे मुख्य कारण ऋणग्रस्तता, फसल उत्पादन में गिरावट, अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं, वित्तीय सहायता की कमी और कृषि आय में उतार-चढ़ाव हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को इन समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल निर्णय लेने की आवश्यकता है। कृषि क्षेत्र की कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा नये प्रयोगों एवं प्रौद्योगिकियों के आधार पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए नीतियां बनाई जानी चाहिए। इसी प्रकार, उन्होंने यह भी कहा कि आत्महत्या करने वाले किसानों के उत्तराधिकारियों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाई जानी चाहिए तथा पात्रता मानदंडों में ढील दी जानी चाहिए ताकि अधिकतम लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। डॉ. गोरहे ने कहा कि राज्य सरकार ने 2025-26 के बजट में कृषि क्षेत्र के लिए विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित की हैं। इसमें कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग, जलयुक्त शिवार अभियान 2।0, गाद मुक्त बांध-गाद युक्त शिवार योजना, मुख्यमंत्री बलिराजा मुफ्त बिजली योजना और कृषि सिंचाई परियोजनाओं के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि आत्महत्या प्रभावित परिवारों को घरकुल योजना के तहत मकान उपलब्ध कराए जाएं।

27 में किदवई नगर से टिकट के लिए रैली निकाल नवीन पंडित ने दिखाई कानपुर में ताकत

कानपुर। 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए टिकट की मंशा से शक्ति प्रदर्शन की शुरूआत कर दी गई है। जिसमें एक नाम पार्षद दल के नेता नवीन पंडित का है। उन्होंने यहां केमिकल के खिलाफ विशाल जन जागरूकता रैली के रूप में जन समर्थन के माध्यम से किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र टिकट के लिए अपनी ताकत दिखाई। पार्षद दल के नेता नवीन पंडित की अगुवाई में यह रैली गोविन्द नगर के रामलीला मैदान से शुरू की गई, जिसमें सबसे आगे लाउडस्पीकर से केमिकल प्रयोग के खिलाफ संदेश देते हुए वाहन चल रहा था। इसके पीछे हाथो में जन जागरुकता के पोस्टर थामे व नारे लगाते सैकडों दुपहिया वाहन चल रहे थे। इनके पीछे 40-50 कारो का काफिला था। रैली का जगह जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यह रैली गोविन्द नगर रामलीला मैदान से चावला मार्केट चौराहा, जूही डिपो, बारादेवी, किदवई नगर चौराहा, गौशाला, दीप टाकीज तिराहा, सचान चौराहा होते हुए बरां के दरोगा आटा चक्की चौराहा पर समाप्त हुई। यह भी अवगत कराते चलें कि विभिन्न क्षेत्र बदलकर पार्षद का चुनाव लगातार पांचवीं बार जीतने वाले, 1991 में राम जन्मभूमि आन्दोलन में फतेहगढ़ जेल में 11 महीने और 1993 में पुनः कानपुर कारागार में 09 महीने बन्द रह चुके पार्षद दल के नेता नवीन पंडित पार्टी और जनता के हित में किए गए अनगिनत कार्यों और आंदोलनों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं।

यह जानकारी भारत-न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों के बीच सोमवार को हैदराबाद हाउस में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक

आतंकवाद, अलगाववाद से मिलकर दो-दो हाथ करने को तैयार भारत और न्यूजीलैंड

भारत-न्यूजीलैंड विस्तारवाद के नहीं बल्कि विकासवाद की नीति के पक्षधर

स्वतंत्र, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर दोनों देश की सहमति

दोनों देशों के बीच एफटीए पर शुरू हुई बातचीत, साल के अंत तक समझौता होने की है संभावना

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ सोमवार को हैदराबाद हाउस में एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बगैर दोनों को कड़ा संदेश दिया गया। साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने एक परस्पर लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया है। इस साल के अंत तक यह समझौता हो सकता है। पाकिस्तान के संदर्भ में दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों ने बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और कट्टरपंथी तत्वों का एकजुटता से मुकाबला करने की घोषणा की। भारत ने न्यूजीलैंड के समक्ष वहां जारी गैर-कानूनी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता जताई। इसके अलावा 15 मार्च 2019 के क्राइस्टचर्च से लेकर 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले का जिक्र करते हुए दोनों शीर्ष नेताओं ने कहा कि आतंकवाद किसी भी रूप में अस्वीकार्य है। वहीं, चीन की आक्रामकता के मद्देनजर दोनों ने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए एक खुले हुए स्वतंत्र, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अपनी सहमति प्रदान करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड विस्तारवाद में नहीं बल्कि विकासवाद की नीति में विश्वास रखते हैं। बैठक में द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े हुए तमाम विषयों सहित क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों (यूक्रेन युद्ध का मुद्दा शामिल) पर भी विचार-विमर्श किया गया। यहां बता दें कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री बीते रविवार से भारत के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें रायसीना संवाद में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित किया है।

अलगाववादियों के खिलाफ मिलेगा सहयोग

विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वार्ता के बाद दिए संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एकमत हैं। यह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। आतंकी हमलों के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आवश्यक है। दोनों देश आतंकवादी, अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्वों के विरूद्ध मिलकर सहयोग करते रहेंगे। आतंकवादी हमलों के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आवश्यक है। पीएम मोदी ने विश्वास जताते हुए कहा कि इन सभी गैर-कानूनी तत्वों के खिलाफ हमें न्यूजीलैंड सरकार का आगे भी सहयोग मिलता रहेगा।

एफटीए से बढ़ेगा व्यापार-निवेश

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री लक्सन के साथ बैठक में भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक परस्पर लाभकारी एफटीए पर चर्चा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। जिससे आपसी व्यापार और निवेश की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा जैसे क्षेत्रों में सहयोग और निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा, जटिल खनिजों के क्षेत्रों में सहयोग को दोनों देशों ने प्राथमिकता दी है। वानिकी और बागवानी में संयुक्त रूप से काम करने का फैसला किया है। दोनों राष्ट्रप्रमुखों ने एफटीए पर बातचीत की शुरुआत का स्वागत करते हुए कहा, यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण उपाय है। जिसकी मदद से दोनों को समान लाभ और पूरकता सुनिश्चित होगी। साथ ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने एफटीए संबंधी वार्ता को जल्द पूरा करने के लिए वरिष्ठ प्रतिनिधि नियुक्त करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मजबूत होगी रक्षा-सुरक्षा साझेदारी

उन्होंने कहा कि वार्ता में हमने रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत और संस्थागत रूप देने का निर्णय लिया। संयुक्त युद्धाभ्यास, प्रशिक्षण, नौसेना के जहाजों द्वारा एक-दूसरे के बंदरगाहों पर नियमित ठहराव के साथ-साथ रक्षा उद्योग जगत में भी आपसी सहयोग के लिए एक रोडमैप बनाया जाएगा। हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त कार्यबल-150 में दोनों नौसेनाएं संयुक्त रूप से काम कर रही हैं। आईपीओआई संगठन समुद्री क्षेत्र के प्रबंधन, संरक्षण और उसे सतत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समुद्री सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

कुल छह एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कुल 6 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें भारत के रक्षा मंत्रालय और न्यूजीलैंड के रक्षा मंत्रालय के बीच रक्षा सहयोग पर एमओयू हुआ। भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी), न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा के बीच अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर-पारस्परिक मान्यता समझौता (एईओ-एमआरए), भारत के कृषि, कल्याण मंत्रालय और न्यूजीलैंड के प्राथमिक उद्योग मंत्रालय के बीच बागवानी पर सहयोग संबंधी एमओयू, दोनों देशों के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच वानिकी पर हुआ आशय पत्र, भारत-न्यूजीलैंड के शिक्षा मंत्रालय के बीच शिक्षा सहयोग समझौता और दोनों के खेल मंत्रालयों के बीच खेलों में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन मुख्य है।

न्यूजीलैंड के विवि भारत में खोलें कैंपस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड में रहने वाला भारतीय समुदाय उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान दे रहा है। दोनों देशों ने यह तय किया है कि कुशल कर्मियों की मोबिलिटी को सरल बनाने और अवैध प्रवासन से निपटने के लिए एक समझौते पर तेजी से काम किया जाएगा। यूपीआई कनेक्टिविटी, डिजिटल ट्रांसजेक्शन और पर्यटन को बढ़ाने पर भी बैठक में बल दिया जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के पुराने संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हम न्यूजीलैंड के विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने के लिए आमंत्रित करते हैं।

आईपीओआई, सीडीआरआई से जुड़ेगा न्यूजीलैंड

पीएम मोदी ने इंडो-पेसिफिक ओसियन इनीशिएटिव और सीडीआरआई से न्यूजीलैंड के जुड़ने का स्वागत किया। इससे पहले वह अंतरराष्ट्रीय सौर संघ (आईएसए) में शामिल हुआ था। दोनों ने अगले साल 2026 में अपने खेल संबंधों की 100 वीं वर्षगांठ मनाने का निर्णय लिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट, हॉकी या पर्वतारोहण में पुराने संबंध हैं। दोनों शीर्ष नेताओं ने खेलों में कोचिंग और खिलाड़ियों के आदान-प्रदान के साथ ही खेल विज्ञान, साइकोलॉजी व मेडिसिन में सहयोग पर बल दिया है। दोनों नेता एकजुटता से अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। जो भारत, न्यूजीलैंड के लोगों के लिए एक शानदार भागीदारी साबित होगी।

पीएम मोदी से तुलसी गबार्ड की भेंट

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने उन्हें हाल ही में प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ से लाया गए पवित्र जल (जल) से भरा एक कलश भेंट किया। पीएम मोदी ने उन्हें बताया कि महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक भारतीयों ने आस्था की डुबकी लगाई। हिंदू धर्म को मानने वाली गबार्ड ने पीएम मोदी को रूद्राक्ष की माला अपनी तरफ से तोहफे के रूप में दी।

पीएम मोदी से मुलाकात एक सम्मान: गबार्ड

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने तुलसी गबार्ड को भारत-अमेरिका मैत्री का प्रबल समर्थक बताया। वहीं, गबार्ड ने पीएम मोदी से मुलाकात को एक सम्मान बताया। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ आपसी सहयोग बढ़ाने से जुड़े कई मुद्दों पर बात हुई।

कुपवाड़ा में आतंकी हमला

मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, पुलिस का एक जवान घायल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच सोमवार को मुठभेड़ की खबर सामने आई है। खुफिया इनपुट के आधार पर सुरक्षाबलों को खबर मिली थी कि कुपवाड़ा में दो-तीन आतंकवादी छिपे हुए हैं। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने संयुक्त रूप से उनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षा बलों के जवान आतंकियों के करीब पहुंचे, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सिक्योरिटी फोर्सेज ने भी गोलियां चलाईं। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना है। वहीं एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी है।

संयुक्त सर्च ऑपरेशन जारी

अधिकारियों ने यहां बताया कि उन्होंने बताया कि हंदवाड़ा में चल रही मुठभेड़ में अब तक एक आतंकवादी मारा गया है। इससे पहले कुपवाड़ा जिले के कुंभुरा जचलदारा राजवार हंदवाड़ा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। इसके आधार पर सुरक्षा बलों की ओर से एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई और मुठभेड़ शुरू हो गई। अभियान अभी भी जारी है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। इससे पहले रविवार को सेना के अधिकारियों को खुफिया जानकारी मिली थी कि आतंकवादी इलाके में छिपे हैं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने हंदवाड़ा के जाकलदारा के कम्हूरा गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

इलाके को सील कर दिया गया

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षाबलों को इलाके में 2 से 3 आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना थी, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की संयुक्त टीम ने इनकी घेराबंदी की। पूरे इलाके को घेरकर तलाशी अभियान चलाया गया। जैसे ही सेना के जवान आतंकियों के करीब पहुंचे, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। ऑपरेशन के दौरान एक जवान के घायल होने की सूचना है। उसका इलाज किया जा रहा है। इलाके को सील कर दिया गया है।

रेल मंत्री ने राज्यसभा में रेल मंत्रालय के अनुदानों की मांगों जवाब देते हुए कहा

भारत मे रेल भाड़ा सभी पड़ोसी देशों में सबसे कम, विकसित देशों में तो '10 गुना' किराया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में रेल मंत्रालय के अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि रेल से एक यात्री को एक किमी लेकर जाने की लागत है 1.38 रुपए। हम किराया लेते हैं 73 पैसे यानि करीब 47% का डिस्काउंट। ये सालाना करीब 60,000 करोड़ रुपए बैठता है।

भारत में रेल भाड़ा सभी पड़ोसी देशों में सबसे कम है। विकसित देशों में तो 10 गुना किराया लिया जाता है। इस वर्ष 31 मार्च तक भारतीय रेलवे वर्ल्ड टॉप 3 देश में शामिल होगा। चीन, अमेरिका और भारत, ये तीन देश इस बार टॉप 10 में शामिल होंगे। बजट सत्र के चौथे दिन सोमवार को तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की जाए।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया। लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना जमकर निशाना साधा।

> रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में रेल मंत्रालय के अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत में रेल भाड़ा सभी पड़ोसी देशों में सबसे कम है। विकसित देशों में तो 10 गुना किराया लिया जाता है। इस वर्ष 31 मार्च तक भारतीय रेलवे वर्ल्ड टॉप 3 देश में शामिल होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिए एक एक सवाल के जवाब

सत्र के पिछले तीन दिन हंगामेदार रहे

बजट सत्र के दूसरे फेज के तीनों दिन (10, 11, 12 मार्च) डीएमके सांसदों ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) और ट्राई-लैंग्वेज को लेकर खूब हो-हल्ला किया। कांग्रेस ने गुजरात में भारत-पाक बॉर्डर पर अडाणी ग्रुप के रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट को मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाया था। कांग्रेस ने इसे देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। इसके बाद सदन में शोर होने लगा।

इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता: गायकवाड़

वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है।उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट में अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं। इधर, दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

लोकसभा में उठा रेल टिकट का मुद्दा

टीएमसी की सांसद ने रेल टिकट का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार टिकट रद्द होने से करोड़ों रुपए की कमाई कर रही है, लेकिन यात्री ट्रेनों में सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन की तुलना बिरयानी से की और कहा कि देश में जिन लोगों को दाल भात खाने को नहीं मिल रहा है, उनके लिए वंदे भारत बिरयानी जैसी है, जिसे खाना गरीब लोगों के बस की बात नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार देश के अमीरों के लिए वंदे भारत ट्रेनों के संचालन पर ध्यान दे रही है, लेकिन गरीबों के लिए यात्री ट्रेनों में आधारभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं।

बजट-2025-26

सीएम नायब सैनी ने पेश किए कई बड़े प्रस्ताव

हरियाणा में स्टार्टअप्स के लिए 2000 करोड़ का फंड

मुंबई हलचल / चंडीगढ

हरियाणा की भाजपा सरकार ने प्रदेश के लोगों के लिए बजट पेश किया है। मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी ने अपने पहले बजट में छह बड़े प्रस्ताव पेश किए हैं। जिसमें युवाओं के लिए नए रोजगार, स्टार्टअप्स से लेकर एआई मिशन के तहत गुरुग्राम और पंचकूला को एआई हब बनाने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वर्ष 2025-26 में 2 लाख 5 हजार करोड़ का बजट का प्रस्ताव रखा है। यह बीते वर्ष की तुलना में 13.7 प्रतिशत अधिक बजट है। सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा सरकार ने ई-गवर्नेंस पर काफी बल दिया। इस दिशा में हरियाणा एआई मिशन की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमे विश्वबैंक ने 474 करोड़ रुपए का सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा बजट के दौरान बताया गया कि हरियाणा ओवरसीज इंप्लॉयमेंट सेल और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार दिलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कई घोषणाएं

25,000 को मिलेगा रोजगार कर्मचारियों-पेंशनरों को तोहफा

मुंबई हलचल / शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को अपने कार्यकाल का

तीसरा बजट पेश किया। बतौर वित्त मंत्री सीएम सुक्खू ने 58,514 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बजट में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न श्रेणियों के पदों को भरने सहित 25,000 को रोजगार देने का एलान किया। महाविद्यालयों-विद्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के कुल 1000 पद भरे जाएंगे। आयुष चिकित्सा अधिकारियों के 200, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों तीन, सोवा रिग्पा अधिकारियों तीन, यूनानी चिकित्सा अधिकारी दो, आयुर्वेदिक फार्मेसी के 52, लैब तकनीशियन 32, स्टाफ नर्स 33, एएनएम 82, जेओए(आईटी) के 42 पदों को भरा जाएगा। पुलिस विभाग में पुलिस कांस्टेबलों के 1 हजार रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया वित्त वर्ष 2025-2026 में शुरू कर दी जाएगी। पुलिस कांस्टेबल की पदोन्नति से संबंधित परीक्षा लगभग 500 पदों के लिए करवाई जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जनवरी में थोक महंगाई 2.31 प्रतिशत पर थी

सब्जी, तेल व तेय पदार्थ महंगे होने से थोक महंगाई बढ़कर 2.38 प्रतिशत पर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इस साल फरवरी में थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर 2.38 प्रतिशत हो गई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जनवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 2.31 प्रतिशत के स्तर पर थी।

लगातार तीन माह की गिरावट के बाद डब्ल्यूपीआई में मामूली वृद्धि देखी गई। सब्जी, तेल और पेय जैसे विनिर्मित खाद्य पदार्थ महंगे होने के कारण फरवरी, 2025 में महंगाई बढ़ी। एक साल पहले फरवरी, 2024 में थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति 0.2 प्रतिशत थी।

कपड़ा आदि के मूल्यों में भी बढ़ोतरी

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि फरवरी, 2025 में मुद्रास्फीति की दर में हुई वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा आदि के मूल्यों में वृद्धि के कारण है। कुल मिलाकर विनिर्मित उत्पाद सूचकांक फरवरी में 0.42 प्रतिशत बढ़ा।

खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना

इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वक्त में अच्छी फसल और ऊंचे आधार प्रभाव से डब्ल्यूपीआई-खाद्य मुद्रास्फीति में और गिरावट आने की उम्मीद है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि सामान्य से अधिक तापमान खाद्य मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करता है। उन्होंने कहा कि इक्रा को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.5-3 प्रतिशत रहेगी।

- लगातार तीन माह की गिरावट के बाद डब्ल्यूपीआई में वृद्धि
- फरवरी में महंगाई खाद्य वस्तुएं महंगी होने से बढ़ी
- पेय पदार्थों की महंगाई मामूली रूप से 1.66 फीसदी बढ़ी

वनस्पति तेल में 33.59 प्रतिशत की वृद्धि

विनिर्मित खाद्य उत्पादों की मुद्रास्फीति बढ़कर 11.06 प्रतिशत हो गई, वनस्पति तेल में 33.59 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति महीने के दौरान मामूली रूप से बढ़कर 1.66 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में नरमी आई और आलू की मुद्रास्फीति 74.28 प्रतिशत से घटकर 27.54 प्रतिशत पर आ गई।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर उत्पादक क्षेत्र पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

डब्ल्यूपीआई में ज्यादा भार मेटल व केमिकल का होता है

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। दूध की कीमतों में वृद्धि पिछले महीने के 5.40 प्रतिशत से घटकर 1.58 प्रतिशत पर आ गई। फलों और प्याज की कीमतें क्रमशः 20 प्रतिशत और 48.05 प्रतिशत बढ़ीं। ईंधन और बिजली श्रेणी में फरवरी में 0.71 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। जबकि पिछले महीने इसमें 2.78 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

बिहार शिक्षक एकता मंच ने संयोजक बिपिन कुमार प्रसाद के अध्यक्षता में मंच से 31 मार्च तक सभी बकाया भुगतान करने का मॉंग रखा गया

मधुबनी। बिहार शिक्षक एकता मंच , पश्चिम चम्पारण* का बैठक संघ भवन, बेतिया में संयोजक बिपीन प्रसाद के अध्यक्षता में आयोजित हुआ । मंच से 31 मार्च तक सभी बकाया भुगतान करने का माँग रखा गया , 31 मार्च तक भुगतान नही होने के स्थिति में राशि स्वतः लौट जाएगी ।

मंच से निम्नलिखित मांगो को रखा गया

1. विभाग की अधिसूचना संख्या 709 की कंडिका 16 (2) में निहित प्रावधान के अनुसार पंचायत, प्रखंड/ नगर प्रारंभिक, शिक्षक संवर्ग के मूल कोटी के शिक्षक पद पर योगदान की तिथि से 12 वर्ष की सेवा के उपरांत अगले वेतनमान (स्नातक ग्रेड) में कालबद्ध प्रोन्नति का प्रावधान है। 2. प्रखण्ड शिक्षक ,नगर परिषद, नगर पंचायत, नगर निगम में नियोजित जी. ओ.बी. से आच्छादित शिक्षकों का 15% अंतर बकाया राशि का भुगतान एवं ओ.डी. एल. से प्रशिक्षित शिक्षकों का प्रशिक्षित अंतर बकाया राशि का भुगतान ।

3. जी.ओ.बी. से आच्छादित शिक्षकों का महँगाई भत्ता जनवरी 2023 से मार्च 2023 तक (42% से 46%)=4% , जुलाई 2023 से अक्टूबर 2023 तक(42%-46% =4%) , जुलाई 2024 से अक्टूबर 2024 तक (50%-53% =3%) ।
4. जी.ओ.बी. और एस. एस. ए. से आच्छादित शिक्षकों महंगाई भत्ता के राशि का भुगतान जनवरी 2024 से फरवरी 2024 तक (46%-50% = 4%)।
5. अवासीय भत्ता जो बढोतरी हुआ एस. एस. ए. और जी.ओ.बी. से अच्छादित शिक्षकों का(4% से 5% = 1%) (6% से 7% = 1%) , (8% से 10% =2%) का अन्तरवेतन बकाया राशि का भुगतान ।
6. विशिष्ट शिक्षकों का वेतन भुगतान शीघ्र किया जाय ।
7. आंदोलन , गूगल सीट और ई. शिक्षाकोष पर अनुपस्थित और भौतिक रूप से उपस्थित शिक्षकों का कटा वेतन का भुगतान किया जाय ।
8. जाँच के नाम पर पी. एम. पोषण योजना की की गई रिकवरी राशि का सुनवाई कर समाप्त किया जाय ।
9. निदेशक मध्याह्न भोजन योजना के पत्रांक 469/20.02.2025 के आलोक में जाँच कर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी(मध्याह्न भोजन योजना) पश्चिम चम्पारण पर कार्यवाई की जाए ।
10. जिला कार्यक्रम पदाधिकारी(मध्याह्न भोजन योजना) का संभाग बदला जाए ताकि शिक्षकों का शोषण बंद हो और जाँच प्रभावित न हो।
11. बी. पी.एस. सी. से चयनित विद्यालय अध्यापकों को वार्षिक वेतन वृद्धि , महँगाई भत्ता और बढ़े हुए आवासीय भत्ता का भुगतान किया जाए ।
12. शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक का ससमय वेतन भुगतान और माह जनवरी से 200 वार्षिक वेतन वृद्धि दिया जाए 13. राघवेंद्र शर्मा बनाम बिहार सरकार द्वारा पारित न्यायालिय आदेश का अनुपालन शीघ्र किया जाए ।
14. जिले के नियोजित शिक्षकों का एक मातृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश, अर्जिता अवकाश एवं विभिन्न प्रकार के बकाया राशि का भुगतान किया जाए
15. ई. पी.एफ. मद में कटौती राशि को मार्च 2025 तक अधतन किया जाए 16. जिले में मृत शिक्षकों के आश्रितों को जिनकी संख्या 241 है 17शीघ्र बहाल किया जाए
17 बिहार में अप्रशिक्षित शिक्षकों को सेवा में जल्द बहाल किया जाए

बैठक में बिहार शिक्षक एकता मंच के सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

वजन तेजी से घटाएंगी ये होममेड ड्रिंक्स

बिगड़ते लाइफस्टाइल और गलत खान-पान से वजन धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। मोटापे की वजह से रक्तचाप, मधुमेह और किडनी खराब होने की समस्या हो सकती है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लोग जिम, डाइटिंग, दवाइयां और न जाने क्या-क्या करते हैं। मगर इनसे भी कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप कुछ घरेलू ड्रिंक्स का सेवन करके भी वजन कम कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी ही ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे जो मोटापे से परेशान लोगों के लिए फायदेमंद है।

1. नींबू, शहद और पानी
रोजाना एक गिलास नींबू, शहद और पानी मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसको पीने से कुछ ही दिनों में वजन कम किया जा सकता है। अगर आप भी जल्दी से स्लिम होना चाहते हैं तो यह ड्रिंक पीएं।

2. अदरक, नींबू पानी
अदरक, नींबू पानी पतले होने का सबसे अचूक उपाय है। इसको पीने से शरीर में जमा फैट आसानी से घटने लगता है। नींबू में पाए जाने वाला विटामिन सी पेट की चर्बी को कम करता है।

3. कोकम जूस
श्रद्धा कपूर अपनी फिगर को मेंटेन रखने के लिए कोकम जूस का सेवन करती हैं। खट्टा-मीठे स्वाद वाले इस फल का जूस भी अलग तरह से बनाया जाता है। पहले इस फल को अच्छे से सुखाया जाता है फिर उसको पानी में भिगोया जाता है। तब जाकर यह जूस बनता है। 400 ग्राम कोकम को 4 लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक चौथाई रह जाए तो इसको छानकर सुबह-शाम 100 मिली पीएं।

4. जीरे वाला पानी
जीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, आयरन, कॉपर, पोटैशियम और मैग्नीशियम बॉडी को कई हेल्थ प्रॉब्लम्स से दूर रखने काम का करते हैं। इसके साथ ही रोजाना जीरे वाला पानी पीने से वजन कम होने लगता है। रात को सोने से पहले 1 गिलास पानी में 2 चम्मच जीरे को भिगोने के लिए रख दें। सुबह इस पानी को हल्का गुनगुना करके पिएं।

5. दालचीनी और सेब
सेब में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंटस की भरपूर मात्रा होती है। दालचीनी और एप्पल को चाय में या पानी में मिलाकर पीया जा सकता है।

चुटकियों में हर ब्यूटी प्रॉब्लम को दूर करेगा बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा हर भारतीय रसोई में पाया जाता है। इसमें सोडियम बाइकाबोर्नेट, एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मौजूद हैं जो खूबसूरती ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आज हम आपको बेकिंग सोडे के कुछ फायदे बताएंगे जिनसे अब तक आप शायद अनजान होंगे।

सफेद चमकदार दांत
पीले दांतों को मोतियों जैसे चमकाने के लिए बेकिंग सोडा बहुत मददगार है। टूथपेस्ट में थोड़ा सा बेकिंग सोडा, पेपरमिंट ऑयल और हाइड्रोजन परॉक्साइड मिलाकर पेस्ट बनाएं। रोजाना इस पेस्ट का इस्तेमाल करने से आपको फायदा मिलेगा।

एक्ने, ब्लैक हेड्स और ऑयली स्किन
एक्ने, ब्लैक हेड्स और ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए बेकिंग सोडे का इस्तेमाल करें। 4 चम्मच बेकिंग सोडे में थोड़ा सा पानी मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाएं। फिर गर्म पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की हर प्रॉब्लम दूर होगी।

नाखूनों को बनाएं सुंदर
नाखूनों में होने वाले किसी भी इंफैक्शन से छुटकारा पाने के लिए 2 चम्मच बेकिंग सोडे में 1 चम्मच पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को 10 मिनट के लिए नाखूनों पर लगाकर सूखने दें। दिन में दो बार ऐसा करने से आपके नाखून सुंदर और मजबूत बनेंगे।

अनचाहे बालों से छुटकारा
बेकिंग सोडे से शरीर के अनचाहे बालों से छुटाकारा पाया जा सकता है। थोड़े से बेकिंग सोडे में पानी डालकर बगल, बिकिनी एरिया, हाथों- पैरों, यानि शरीर के उस हिस्से पर लगा दीजिए, जहां आपको बाल पसंद नहीं हैं। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपको अनचाहे वालों से छुटकारा मिलेगा।

पेट खराब होने पर कारगर
पेट खराब होने पर बेकिंग सोडे का घोल बनाकर पीएं। इसमें सोडियम बाईकाबोर्नेट होता है जो पेट की अनेक समस्याओं को दूर करता है।

ब्यूटी प्रॉडक्ट्स नहीं, स्किन प्रॉब्लम को दूर करेंगे 5 आसान टिप्स

ब्यूटी की परेशानियों को दूर करने के लिए कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का कम से कम इस्तेमाल करना ही बेहतर है। इससे कुछ समय के लिए प्रॉबल्म्स दूर तो हो जाती हैं लेकिन कुछ समय बाद समस्या कम होने के बाद दोबारा फिर ऊभरने लगती हैं। ऐसे में घरेलू नुस्खे अपनाना बेहतर है जो इन बालों की असमय सफेदी, चेहरे के काले घेरे जैसी समस्याओं को जड़ से खत्म कर देते हैं।

1. बालों की सफेदी दूर
सफेद बालों के लिए दही और हिना मिलाकर लगाएं।

2. फटे होंठों से छुटकारा
देसी घी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर लगाने से जल्दी आराम मिलेगा।

3. चेहरे के काले घेरे गायब
ऑरेंज जूस में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं।

4. रूसी की छुट्टी
नारियल तेल में थोड़ा-सा कपूर डालकर बालों की मसाज करें।

5. डेड स्किन साफ
कच्चे दूध में नींबू का रस और नमक मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुष्पा 3 में होंगे बॉलीवुड के सितारे

पुष्पा 2 के बाद पुष्पा 3 का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने आई है। खबर यह भी है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के भी कलाकारों के शामिल होने की संभावना है। पुष्पा 2 फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया और यह दुनिया भर में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारत की फिल्मों में से एक बन गई है। पुष्पा 2 फिल्म ने दुनिया भर में 1742 करोड़ का कारोबार किया। पुष्पा 2 द रूल फिल्म के बाद पुष्पा 3 द रैंपेज का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं। पुष्पा 3 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है फिल्म के प्रोड्यूसर रविशंकर ने बताया है कि पुष्पा 3 द रैंपेज 3 साल बाद यानी 2028 में रिलीज होगी। क्योंकि अल्लू अर्जुन को पहले डायरेक्ट एटली के साथ अपने प्रोजेक्ट्स पूरे करने हैं। इसके बाद वह त्रिविक्रम के साथ एक फिल्म में काम करेंगे और दोनों प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद वह पुष्पा 3 की शूटिंग के लिए उपलब्ध होंगे। दोनों प्रोजेक्ट पूरा होने में करीब 2 साल का वक्त लग जाएगा। पुष्पा 3 की शूटिंग 6 से 7 महीने में कंप्लीट कर ली जाएगी कुल मिलाकर यह अंदाजा लगाना कठिन नहीं है की फिल्म 3 साल बाद रिलीज होगी। पुष्पा 3 का इंतजार बेसब्री से कर रहे दर्शकों के लिए यह खबर मायूसी पैदा करने वाली है, क्योंकि वह पुष्पा 3 के लिए 3 साल का लंबा इंतजार नहीं करना चाहते हैं।

अनुष्का शर्मा का क्रिप्टिक पोस्ट

अनुष्का शर्मा हमेशा ही अपने पति विराट कोहली को सपोर्ट करने के लिए पहचानी जाती है। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान वह कई मैचों में विराट कोहली और भारत को सपोर्ट करते हुए नजर आई, लेकिन इस समय अनुष्का शर्मा अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल कुछ समय पहले विराट कोहली ने एक इंटरव्यू दिया था और उस इंटरव्यू में विराट कोहली ने खुद से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए, उस इंटरव्यू के तुरंत बाद अनुष्का शर्मा की तरफ से क्रिप्टिक पोस्ट सामने आया, अब फैंस इस पर रिएक्ट कर रहे हैं। अनुष्का शर्मा ने इंस्टा स्टोरी पर एक नोट शेयर किया है, उसमें उन्होंने लिखा है, जो लोग भी आपको जानते हैं उन लोगों के दिमाग में आपका अलग-अलग वर्जन बना होता है। उन्होंने आगे लिखा आप खुद के बारे में जो सोचते हैं वह सिर्फ आपको पता होता है, लेकिन हकीकत यह है कि आपको भी नहीं पता आप क्या है, क्योंकि हर वह इंसान जो आपसे मिलता है, आपके साथ रिलेशनशिप में हैं, आपके साथ आंखों से संपर्क बनता है, सभी के दिमाग में आपके बारे में एक अलग वर्जन होता है। आप वह नहीं है जो आपके माता-पिता, भाई-बहनों, साथ काम करने वालों के दिमाग में आपका प्रतिबिंब बना हुआ है। आप हर किसी के दिमाग में अलग-अलग वर्जन में एक्जिस्ट करते हैं। क्या वास्तव में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है। अनुष्का शर्मा ने यह बातें किस संदर्भ में लिखी है, इसके बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन क्रिप्टिक नोट को सोशल मीडिया पर लोग विराट कोहली के इंटरव्यू के बाद का रिएक्शन बता रहे हैं।

रेमो डिसूजा ने किया खुलासा

अभिषेक बच्चन की फिल्म बी हैप्पी ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों का ही नहीं बल्कि आलोचकों का भी अच्छा रिस्पांस मिला है। फिल्म को देख कर लोग फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। खासकर अभिषेक बच्चन के बारे में यह कहा जा रहा है कि अब उनका अभिनय परिपक्व हो गया है और वह बेहद बढ़िया एक्टिंग कर रहे हैं। फिल्म को लेकर फिल्म मेकर रेमो डिसूजा की भी प्रतिक्रिया सामने आई है, उन्होंने बताया है कि अभिषेक बच्चन ही इस फिल्म के लिए उनकी पहली पसंद क्यों थे। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया है कि यह फिल्म उनके भी दिल के करीब है। इस फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरणा लेकर बनाया है। बी हैप्पी फिल्म डांसिंग रियालिटी शो की कहानी पर आधारित है और रेमो डिसूजा खुद डांसिंग रियालिटी शो में जज के तौर पर काफी अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में उन्होंने कंटेस्टेंट से जुड़ी सच्ची घटनाओं को आधार करके यह फिल्म बनाई है। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ इनाया वर्मा भी नजर आ रही हैं। दोनों की एक्टिंग गजब की है। फिल्म में नोरा फतेही ने भी अहम भूमिका निभाई है और उनके काम को भी काफी पसंद किया गया है। अभिषेक बच्चन की नई फिल्म भी हैप्पी प्राइम वीडियो पर सरिता हो रही है और फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया है।